डाक पंजी. संख्या UA/DO/DDN/151/2022-2024

हरिद्वार, 8 नवम्बर, 2024 कार्तिक, शुक्ल, सप्तमी, 2081 विक्रम संवत

स्वदेश स्वाभिमान

R.N.I. No.: UTTHIN/2013/51354

www.swadeshswabhiman.com
www.facebook.com/swadeshswabhiman
https://twitter.com/swadeshsw

मासिक वर्ष 11 अंक 09 पृष्ठ 06 ₹ 3/-

भगवान् से पद, सत्ता, सम्पत्ति या दुनिया के वैभव की याचना नहीं करना क्योंकि वह दयालु पिता बिना मांगे हमारी क्षमता, योग्यता अथवा पात्रता से सदा ही अधिक देता है।

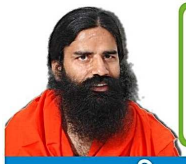

यह दोनों वाक्य समानांतर सच है कि "योग" शरीर को साधता है और शरीर "योग" को।

गुरुवाणी

शाश्वत प्रज्ञा

जीवन सूत्र

① जीवन का निचोड़/निष्कर्ष - जब भी बड़ों के पास बैठते हैं तो जीवन के सार तत्व की बात होती है। कुछ निष्कर्ष सार रूप में यहां लिख रहे हैं। यूं तो जीवन अनादि काल से चल रही तथा अनन्त काल तक चलने वाली एक शाश्वत प्रक्रिया प्रवाह या प्रकृति परमेश्वर के नियमों का विधान है। इसमें कुछ अति महत्वपूर्ण मुद्दे मूल्य या आदर्शों को यहां रख रहे हैं।

श्रेष्ठतम जीवन - प्रथम कोटि का श्रेष्ठतम जीवन है - एक बार भी अशुभ में प्रवृत्त नहीं होना। आहार विचार वाणी व्यवहार स्वभाव सम्बंध आचरण के स्तर पर पूर्ण निर्दोष जीवन जीना। एक बार भी त्रुटि होने से गलत ऐसी प्रवृत्ति निर्मित हो जाती और ये जन्म जन्मान्तरों तक दुःख देती है। इसलिए एक बार भी झूठ नहीं बोलो, चोरी नहीं करो दुराचार नहीं करो नहीं तो जीवन भर के लिए दूसरों का भरोसा खत्म हो जायेगा तुम्हारा लोकों की दृष्टि में भी छवि जायेगा। एक क्षण भी अशुभ में प्रवृत्त नहीं हो यह प्रवृत्ति आदत स्वभाव बन जायेगा। पूर्ण शुद्ध निर्दोष जीवन प्रथम कोटि का एक बार भी गलती हुई तो द्वितीय श्रेणी का बार-2 गलती करना तृतीय व चतुर्थ थर्ड फोर्थ क्लास लाइफ ये कम है।

पुरुषार्थ - जीवन का श्रेष्ठतम तत्व है पुरुषार्थ। पूरा जीवन पुरुषार्थ का सार व विस्तार है जीवन। धर्मार्थ काम मोक्ष ये पुरुषार्थ चतुष्टय है। प्रमाद ये तो जीते जी मृत्यु है। सारे पाप अपराध पतन की जड़ है। किसी भी स्तर पर किसी भी तरह का प्रमाद होना ही नहीं चाहिए। योग - स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि, शान्ति सफलता विजय का मूलाधार है। जीवन का निर्माण व अन्तिम तत्व निर्वाण का मूल तत्व है योग।

सम्पत्ति-वैल्थ-प्रोस्पेरिटी - संसार में हर व्यक्ति वैल्थ क्रियेशन में लगा है धन दौलत सम्पत्ति साम्राज्य बढ़ा रहा है। अर्थ पैसा करेंसी बैंक बैलेंस के साथ साथ पारमार्थिक अर्थ दैवी सम्पद नवधा भक्ति, ज्ञानधन तपधन, सेवाधन, प्रेमधन आनन्द धन योग धन न - योगात् परं धनम्, न योगात् परं बलम्, न योगात् परं सुखम्, जीवन के व्यवहारिक व पारमार्थिक दोनों लक्ष्यों को एक साथ साधने की आवश्यकता है।

बहिष्कार - सिंथेटिक दवा चिकित्सा की गुलामी दासता, शिक्षा की गुलामी मैकाले की शिक्षा पद्धति, आर्थिक गुलामी, वैचारिक सांस्कृतिक गुलामी रोग भोग नशा वासना की गुलामी पराधीनता दासता से देश को मुक्ति दिलाने हेतु सब देशवासियों को साहस के साथ सामूहिक रूप से इसका बहिष्कार करना होगा जब सर्वश्रेष्ठ शिक्षा चिकित्सा अर्थव्यवस्था व जीवन पद्धति का सनातन विकल्प हमारे पास है तो फिर घटिया का चुनाव क्यों? इसके लिए बहुत बड़े आंदोलन की आवश्यकता है सौ करोड़ से अधिक जागरूक सनातन धर्मियों को संगठित शक्तिशाली रूप से ओजस्विता शौर्य पराक्रम के साथ M.N.C व सनातन विरोधी सभी राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय ताकतों के विरुद्ध लड़ना व जीतना होगा।

योग करना कराना - योग करना कराना है तथा योग को जीवन में जीना है। योग ही जीवन का आधार व मंजिल है। योग ही जीवन का सबसे बड़ा प्रयोजन, उपयोगिता, उपलब्धि, गन्तव्य, मन्तव्य कर्तव्य, साधन, सिद्धान्त, साध्य व ध्येय है।

स्वामी रामदेव

आयुर्वेद अमृत

संकल्प की शक्ति

■ दृढ़ता में विकल्प, संकल्प में न्यूनता तथा त्याग में कभी प्रतिशत नहीं होता

हाल ही में पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में युवा धर्म संसद का आयोजन किया गया। सच में युवा धर्म संसद शब्द के अर्थ में ही बहुत कुछ छिपा है। धर्म, युवा और संसद- इन तीन शब्दों की अलग-अलग बड़ी-बड़ी व्याख्या की जा सकती है। शास्त्रों में एक बात कही है कि जब दम हो, सामर्थ्य हो, जज्बा हो, ऐसी भावना हो कि मैं दुनिया को किधर से किधर पलट सकता हूँ। जब आप अपने आप को ऐसे जज्बात से ओतप्रोत, अंदर से ऊर्जान्वित, शक्ति से परिपूर्ण पाते हैं तो उस समय यदि हमारी दिशा और गति सही ओर हो गई तो हमें लक्ष्य अवश्यमेव प्राप्त होता है। अन्यथा उस समय यदि सही मार्ग पर नहीं गए तो बुढ़ापे में सब व्यर्थ है क्योंकि तब कुछ करने का सामर्थ्य रहता ही नहीं है।

समस्त वसुधा को अपना मानने का सामर्थ्य केवल सनातन में : हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् की है। शब्द बहुत छोटा है किन्तु इसका अर्थ बहुत गहरा है कि समस्त वसुधा को अपना मानने का सामर्थ्य केवल सनातन में है, अंयत्र कहीं भी नहीं है। यदि युवा धर्म संसद के कार्य को संक्षिप्तिकरण के साथ निवेदित करें तो हमारा पहला लक्ष्य वसुधैव कुटुम्बम् की भावना को विश्व में स्थापित करना और दूसरा लक्ष्य उसको स्थापित होने में जो बाधक तत्व हैं उन्हें सही रास्ते पर लेकर आना। आप समझ ही गए होंगे कि बाधक तत्व कौन हैं, जो टुकड़े-टुकड़े में बँटे हुए हैं।

हम तो उदार हैं, हमने प्रार्थना करते हुए भी यही कहा है कि-

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।

अर्थात् सुखी व निरोगी रहें। हमने अपने लिए, पड़ोसी के लिए, धर्म के लिए, प्रांत के लिए, मत के लिए, पंथ के लिए, जाति के लिए, मजहब के लिए तो कुछ नहीं मांगा। सर्वे में तो सब आते हैं। सर्वे में धर्मात्मा, पापी, असुर, विधर्मी सब प्रकार के लोग आते हैं। तो हमारी इतनी उदारता, विशालता, व्यापकता है। परन्तु उस उदारता को बनाए रखने के लिए भी विश्व में सर्वे भवन्तु सुखिनः... शास्त्रों में जो उद्घोषणाएँ हमारे ऋषियों ने की, महापुरुषों ने की, उस उद्घोषणा को, उस शब्द को शक्ति के रूप में क्रियान्वयन करना हमारा परम कर्त्तव्य है। हमारे श्रद्धेय विवेकानन्द जी ने उपनिषद् के वाक्य उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान निबोधत को प्रचारित किया था कि उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उठो और जागो दो अलग-अलग शब्द हैं। कई बार हमारी आँखें खुली होती हैं और हम सोचते हैं कि हम जगे हैं किन्तु हम सोए हुए होते हैं।

शेष पेज नं. 3 पर...

उपलब्धियां : पतंजलि विश्वविद्यालय को उच्च अंकों के साथ NAAC का ग्रेड A+ प्राप्त।

■ पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत को समृद्ध रुप से आत्मनिर्भर राष्ट्र के रुप में विकसित करने हेतु सक्षम युवा शक्ति को गढ़ना है।

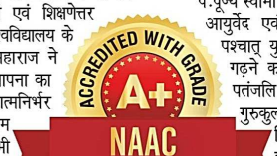

पतंजलि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, नैक (NAAC) द्वारा उच्च अंकों के साथ A+ ग्रेड मिला है। पतंजलि विश्वविद्यालय को प्राप्त पेड पॉइंट, राष्ट्रीय स्तर पर योग विश्वविद्यालयों में सर्वाधिक हैं।

नैक द्वारा मूल्यांकन का परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कार्मयोगियों को सम्बोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प.पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत को समृद्ध रुप से आत्मनिर्भर राष्ट्र के रुप में विकसित करने हेतु सक्षम युवा शक्ति को गढ़ना है और यह तभी सम्भव है जब युवाओं का व्यक्तित्व योगमूलक हो और सभी आयामों में सामर्थ्य के साथ-साथ एक सुदृढ़ चरित्र एवं व्यक्तित्व का विकास हो। यह कहते हुए कि आज की शिक्षा अधिकाधिक नौकरी केन्द्रित हो गई है, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पतंजलि विश्वविद्यालय का उद्देश्य युवाओं में जीवन और समाज के हर क्षेत्र में नेतृत्व परक गुणों का विकास करना है। उन्होंने आगे कहा कि आज पूरे विश्व को ऐसी युवा शक्ति की आवश्यकता है जिसको अपने अतीत का समग्र बोध हो, जिसमें वर्तमान की चुनौतियों का समाधान करने का सामर्थ्य हो और जो भविष्य की संभावित चुनौतियों का प्रामाणिक आंकलन कर सके। उन्होंने इस बात पर ध्यान दिलाया कि पतंजलि विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक गतिविधियों का उद्देश्य ऐसे युवाओं को शिक्षित करना है जो राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करने के साथ ही वैश्विक धरातल पर भी पूरी मानवता का नेतृत्व कर सकें।

ACCREDITED WITH GRADE A+ NAAC

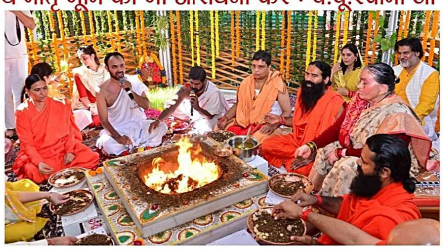

प.पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के सफल आन्दोलन के पश्चात् युवाओं के मानस को सम्यक् रुप से गढ़ने का कार्य पतंजलि विश्वविद्यालय और पतंजलि संस्थाओं द्वारा हो रहा है और गुरुकुल, आचार्यकुलम् एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के माध्यम से भारतीय दृष्टि से वैश्विक नेतृत्व का सामर्थ्य रखने वाले युवा मानस को सिंचित किया जा रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि विगत २० वर्षों की अपनी यात्रा में पतंजलि विश्वविद्यालय ने योगविद्या के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिमानों को स्थापित किया है। उन्होंने

शेष पेज नं. 3 पर...

शारदीय नवरात्रि महायज्ञ : कन्या पूजन व वैदिक अनुष्ठान के साथ गायत्री पूजन की पूर्णाहूति।

■ मातृ शक्ति की आराधना के साथ मातृ भूमि की भी आराधना करें : प.पू.स्वामी जी

हरिद्वार। कनखल स्थित दिव्य योग मंदिर परिसर में पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष प.पू. स्वामी जी महाराज एवं महामंत्री प.पूज्य आचार्य जी महाराज ने गायत्री महायज्ञ के वैदिक अनुष्ठान के साथ पवित्र शारदीय नवरात्रि पर कन्या पूजन कर सम्पूर्ण देशवासियों को नवरात्रि तथा विजयदशमी की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। ९ दिनों तक चले वैदिक अनुष्ठान का समापन पूरी विधि-विधान के साथ किया गया, जिसमें माँ गायत्री की उपासना की गई। प.पूज्य स्वामी जी एवं प.पूज्य आचार्य जी ने सभी कन्याओं के चरण धोकर आर्शीवाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि भारत सनातन संस्कृति, ऋषि परम्परा, वेद परम्परा, राम और कृष्ण, माँ भवानी, आद्यशक्ति का देश है। इसमें रोग, विकार, हिंसा, झूठ, बेइमानी, दुराचार, कदाचार, व्याभिचार, असंतोष, नास्तिकता, अनैतिकता आदि अलग- अलग प्रकार की नकारात्मकताएँ समाप्त हों। अंधेरा व प्रमाद रूपी राक्षसों का वध हो। सभी के भीतर राम जैसी मर्यादा व चरित्र हो। माता भगवती से शक्ति पाकर सभी देशवासी भारत माता को परम वैभवशाली व परम शक्तिशाली बनाने में अपनी आहुति दें। २०४७ तक प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के सपने को मिलकर पूरा करें। मातृ शक्ति की आराधना के साथ मातृ भूमि की आराधना करें।

इस अवसर पर प.पूज्य आचार्य जी महाराज ने कहा कि नवरात्र व विजयदशमी का भारतीय संस्कृति, परम्परा और सनातन धर्म में विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि माँ भगवती सबका कल्याण करें, सबके जीवन में मंगल हो, स्वास्थ्य हो, समृद्धि हो, आनंद हो, खुशियाँ हों, इसी कामना के साथ यह अनुष्ठान कर गायत्री महामंत्र के साथ आहुतियाँ दीं। दिव्य संयोग है कि राम नवमी में कन्या पूजन के साथ विजयदशमी पर्व भी मनाया जा रहा है। विजयदशमी पर हम अपने दुगुर्णों, बुराइयों, दुर्व्यस्नों व असुरत्व पर विजय प्राप्त करें। पवित्र नवरात्र व विजयदशमी भारत की समृद्धशाली परम्परा का हिस्सा है, इसको उद्दात्ता व वैज्ञानिकता के साथ बनाना हम सबका कर्त्तव्य है। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ परिवार के सभी सम्मानित वरिष्ठजन, संन्यासीगण, कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

उड्डुपी : पारंपरिक विज्ञान संस्कृति पर आधारित हैं : पू.स्वामी जी

■ 51वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन में पूज्य स्वामी जी महाराज 'योगीन्द्र सम्राट' एवं पूज्य आचार्य श्री को 'आयुर्वेद विद्या विभूति' उपाधियों से सम्मानित किया गया।

उडुपी (कर्नाटक)। श्री कृष्णमठ में आयोजित ५१वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प.पू.स्वामी रामदेव जी महाराज एवं प.पू. आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा, 'पारंपरिक विज्ञान संस्कृत पर आधारित हैं, जो सभी भाषाओं की मूल भाषा है।' पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज ने प्राचीन ज्ञान के संरक्षण में संस्कृत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'गुरुकुलों में वेद और संस्कृत सीखने वालों को दुनिया भर में प्रसिद्ध होना चाहिए। उनमें विभिन्न क्षेत्रों में इतिहास रचने की इच्छा है और पतंजलि संगठन इस दिशा में काम कर रहा है। भारतीयों को ऋषियों की महान वंशावली के उत्तराधिकारी होने पर गर्व और सम्मान होना चाहिए। माधवाचार्य ने महान दार्शनिक और व्यावहारिक विचार प्रस्तुत किया कि मनुष्य ईश्वर की संतान हैं। इसलिए उडुपी काशी, मथुरा और वृंदावन के समान सम्मान का हकदार है।'

संस्कृत के छात्रों को छात्रवृत्ति के बारे में बताते हुए प.पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा, पतंजलि गुरुकुल में बच्चों को भगवद् गीता और उपनिषद् याद करना सिखाया जाता है। मैं उडुपी के छात्रों को हमारे संस्थान में आने के लिए आमंत्रित करता हूँ। इसका खर्च हमारा संगठन उठाएगा, इसके अलावा, प्रत्येक छात्र को २५,००० रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी। संस्कृत में पारंगत लोग प्रोफेसर बनने से कहीं अधिक कर सकते हैं, वे इससे भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं। २१वीं सदी भारत की है और संस्कृत के जानकारों को विशेष मान्यता दी जाएगी। उन्होंने कहा, पारंपरिक विज्ञान पर अगला अखिल भारतीय सम्मेलन हरिद्वार में पतंजलि संस्थान में आयोजित किया जाएगा। इस वैश्विक सम्मेलन में भाग लेने

शेष पेज नं. 2 पर...

संस्थान समाचार

प्रतापगढ उ.प्र. में पूज्यपाद जगद्गुरु पू.स्वामी रामभद्राचार्य जी के साप्ताहिक श्रीमद्भगवत कथा में परम पूज्य स्वामी जी महाराज।

आचार्यकुलम् के 12वाँ वार्षिकोत्सव के अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज व प.पूज्य आचार्य जी महाराज, हरियाणा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी, पू.स्वामी अवधेशानंद जी, स्वामी रवीन्द्र पुरी जी, स्वामी हरिचेतनानंद जी उपस्थित रहे।

जयपुर, राजस्थान, अपेक्स विवि के दीक्षान्त समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी, प.पू.आचार्य जी।

पतंजलि योगपीठ में शारदीय नवसस्येष्टि एवं दीपोत्सव में प.पूज्य स्वामी जी महाराज एवं प.पूज्य आचार्य जी महाराज द्वारा शुभकामनायें एवं आशीर्वाद दिया।

» विश्व के विशिष्ट शिक्षण संस्थानों जैसा आचार्यकुलम् के विद्यार्थियों में नेतृत्व की सहज क्षमता विद्यमान है : पू.स्वामी जी

■ मैं गद्गद हूँ कि प.पू.स्वामी जी महाराज अपनी जन्मभूमि हरियाणा की धरती पर वर्तमान से सौ गुना अधिकक्षमता की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य कर रहे हैं :श्री नायब सिंह सैनी

■ वार्षिकोत्सव पतंजलि परिवार के राष्ट्रोत्थान यज्ञ की झाँकी मात्र है : आचार्य श्री महाराज

परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज व प.पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज द्वारा स्थापित आवासीय शिक्षण संस्थान आचार्यकुलम का १२वाँ वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित 'नेतृत्व के लिए शिक्षा' विषय पर आधारित वार्षिकोत्सव के मुख्य कार्यक्रम ने दर्शकों को मन्त्र-मुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, आचार्य चाणक्य, सम्राट चन्द्रगुप्त, गुरुवर विरजानंद, महर्षि दयानंद सहित परम पूज्य स्वामी जी व आचार्यश्री के चरित्रों व नेतृत्व से समाहित प्रेरक झाँकी का मंचन किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हरियाणा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी, विशिष्ट अतिथि स्वामी अवधेशानंद जी, स्वामी रवीन्द्र पुरी जी, स्वामी हरिचेतनानंद जी, हरियाणा भाजपा के संगठन महामंत्री श्री फनेंद्रनाथ शर्मा जी, योग आयोग के अध्यक्ष श्री जयदीप आर्य जी, उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री श्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल जी, राज्यमंत्री श्री श्यामवीर सैनी जी, हरिद्वार भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शोभाराम प्रजापति जी सहित सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों और आचार्यों सहित पतंजलि योगपीठ परिवार की भरपूर सराहना की।

मुख्यातिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'मैं गद्गद हूँ कि प. पूज्य स्वामी जी महाराज अपनी जन्मभूमि हरियाणा की धरती पर वर्तमान से सौ गुना अधिक क्षमता के ग्लोबल आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय तथा वेलनेस निर्माण की योजना पर कार्य कर रहे हैं। हरियाणा सरकार इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की पूर्ति में सम्पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।'

इस भव्य कार्यक्रम में परम पूज्य स्वामीजी द्वारा सत्र २०२३-२४ के कक्षा ५-१२ में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को १.५ लाख रुपए के नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही विविध योग, क्रीड़ा व कला प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। आदर्श विद्यार्थी सम्मान अनमोल व प्रतिभा को तथा सर्वश्रेष्ठ सदन का पुरस्कार सदन को मिला।

इस पावन अवसर पर यूरोपियन अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के अध्यक्ष प्रो. रोबोटो जी, भारत में अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष मोहंती जी, आचार्यकुलम उपाध्यक्षा आदरणीया डॉ. ऋतंभरा शास्त्री 'बहनजी', प्राचार्या श्रीमती स्वाति मुंशी जी, उप-प्राचार्य श्रीतापस कुमार बेराजी, स्वामी अर्जुनदेव जी, श्रीमती दीपाजी, श्री अमित जी, सभी संन्यासीगण, आचार्यवृंद, कर्मचारीगण विद्यार्थी व अभिभावकगण सहित सम्पूर्ण पतंजलि परिवार उपस्थित रहा।

» अपेक्स विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त समारोह आयोजित

■ सभी को समान विकास के अवसर मिले, विश्वविद्यालय इसके संवाहक बने : राज्यपाल

जयपुर, राजस्थान। अपेक्स विवि के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में महामहीम राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी ने कहा है कि शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है। उन्होंने शिक्षा के जरिए राष्ट्र और समाज के विकास के लिए कार्य करने, इसके जरिए विकसित भारत में योगदान किए जाने पर जोर दिया। श्री बागडे जी को अपेक्स विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्राचीन तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों की चर्चा करते हुए कहा कि यहां पर किसी एक विषय नहीं सभी विषयों में पढ़ाई होती थी। नई शिक्षा नीति में भी इसी पर जोर दिया गया है कि विद्यार्थी सभी विषयों में निष्णात हो और उसका सर्वांगीण विकास हो।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों द्वारा भारत की ज्ञान परंपरा पर दृष्टि विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यष्टि और समष्टि को जोड़ने वाला प्रथम सूत्र शिक्षा ही है। उन्होंने शिक्षा के जरिए सभी के समान विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

» 51वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन में योग एवं भारतीय संस्कृति का प्रचार

श्री सुगुनेंद्र तीर्थ जी उपाधि से सम्मानित करते हुए

उडुपी में प.पूज्य स्वामी जी के सान्निध्य में 'योग शिविर'

उडुपी आध्यात्मिकता की राजधानी है, भगवान और भक्तों के संगम के कारण भारत अद्वितीय है : श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी

....शेष पेज नं. 1 का

के लिए दुनिया भर के गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। उडुपी के आठ मठों के प्रमुखों और विद्वानों को इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए।

कार्यक्रम में बोलते हुए पर्याय श्री पुट्टिगे मठ के पूज्य श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने कहा, 'उडुपी आध्यात्मिकता की राजधानी है। भगवान और भक्तों के संगम के कारण भारत अद्वितीय है। ज्ञान की प्राचीन प्रणाली समय के साथ परिपक्व हुई है, और इसका संरक्षण आवश्यक है। ऐसे युग में जहां सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने वाले शब्द सुने जाते हैं, सभी को धर्म और संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए। सनातन धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है जो बौद्धिक स्वतंत्रता देता है, यही कारण है कि इसके भीतर कई संप्रदाय पनपे हैं। अन्य धर्मों में, संस्थापक के शब्दों को अंतिम माना जाता है और दूसरों को भी उसका पालन करना चाहिए।' स्वामीजी ने संस्कृत की चिरस्थायी प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'भारतीय ज्ञान परंपरा की तुलना में कुछ भी नहीं है। अंग्रेजी शिक्षा का प्रभाव व्यापक है, लेकिन पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करना एक कर्तव्य है, क्योंकि इसका इतिहास १०,००० साल पुराना है। यह स्वतंत्र है और किसी भी बाहरी ताकतों से प्रभावित नहीं हुआ है। अन्य भाषाओं ने अपने मूल रूप में परिवर्तन किया है, जबकि संस्कृत ने सभी समय में एक ही रूप बनाए रखा है। यदि अन्य भाषाएं अस्पष्ट हैं, तो संस्कृत एक सटीक भाषा है। अंग्रेजी में, लिखने और पढ़ने में अंतर है, लेकिन संस्कृत में, जो लिखा जाता है उसे उसी तरह पढ़ा जाता है। संस्कृत को संरक्षित करने से प्राचीन ज्ञान का संरक्षण सुनिश्चित होता है।'

परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारी संस्कृति संस्कृत भाषा से जुड़ी हुई है, इसलिए हमें अपनी संस्कृति को बचाने के लिए संस्कृत भाषा को बचाना होगा। भारत के अलावा दुनिया में कोई भी संस्कृति ऐसी नहीं है, जहां लोग 'सर्वे भवन्ति सुखिनः' कहते हों। लोग सिर्फ अपने विकास के बारे में सोचते हैं। संस्कृत ही संस्कृति को बचा सकती है। लेकिन इस परंपरा को खत्म करने की साजिश हो रही है। आर्य-द्रविड़ अवधारणा का प्रचार लोगों में फूट डालने के लिए किया जा रहा है। सिल्क रूट का निर्माण भारतीयों ने किया था, लेकिन अंग्रेजों ने इतिहास को बदलकर यह साबित कर दिया कि यह रूट विदेशियों के भारत में प्रवेश के लिए बनाया गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ६,००० ऐतिहासिक स्थलों का रिकॉर्ड है, जबकि पतंजलि संस्था ने १०,००० ऐतिहासिक स्थलों का डेटा इकट्ठा किया है।

यह सम्मेलन भारतीय विद्वत परिषद् बैंगलोर, पर्याय पुट्टिगे मठ और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम कृष्ण मठ के राजाङ्गण में हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित करके और तुलसी के पौधे को पानी देकर किया गया, जो इस आयोजन की शुरुआत थी। अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन कर्नाटक सम्मेलन के दौरान, परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज को श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी द्वारा 'योगीन्द्र सम्राट' की उपाधि एवं पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज को 'आयुर्वेद विद्या विभूति' से सम्मानित किया गया। पूज्या डॉ. साध्वी देवप्रिया जी (विभागाध्यक्षा दर्शन विभाग एवं संकायाध्यक्षा मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकाय) को भारतीय 'विद्या विशारदा' उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन (AIOC) पर एक पुस्तक और श्रीनिवास वरखेड़ी द्वारा लिखित 'शास्त्र बद्धताही' का विमोचन भी किया गया। एसएमएसपीटी द्वारा यक्षगान के माध्यम से आरंभिक प्रार्थना प्रस्तुत की गई। आचार्य वीरनारायण पांडुरंगी, अध्यक्ष बीवीपी ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति श्रीनिवास वरखेड़ी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कनिष्ठ मठाधीश श्री सुसरेंद्र तीर्थ स्वामीजी, पेजावर मठ के श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी, श्री भंडारकेरी मठ के विध्येश तीर्थ, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, कौप विधायक गुरमे सुरेश शेट्टी, स्थानीय सचिव प्रोफेसर शिवानी वी, महासचिव प्रो.कविता होली, संस्कृत पुणे के सेवानिवृत्त प्रोफेसर विश्वविद्यालय की प्रो.सरोजा भाटे और अन्य उपस्थित थे।

आगमन : मशहूर पॉप सिंगर हनी सिंह का पतंजलि योगपीठ आगमन

▪ हनी सिंह ने रैपर के तौर पर भारतीय संगीत को नई पहचान दी : पूज्य आचार्य श्री

हरिद्वार। मशहूर रैपर, संगीत निर्माता व पंजाबी पॉप सिंगर हनी सिंह का पतंजलि योगपीठ आगमन हुआ जहाँ उन्होंने पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज तथा महामंत्री परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व पतंजलि योगपीठ पहुँचने पर आचार्य जी ने गायक हनी सिंह का जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि हनी सिंह संगीत की दुनिया में बड़ा नाम है। उन्होंने भारतीय संगीत को नए आयाम दिए हैं। प.पूज्य स्वामी जी ने कहा कि तनाव व अवसाद में संगीत औषधि के समान है। भेंटवार्ता में प.पूज्य आचार्य जी ने कहा कि रैप तथा पॉप सिंगर के तौर पर पहले विदेशी गायकों को ही पहचान मिलती थी। हनी सिंह ने रैपर के तौर पर भारतीय संगीत को नई पहचान दी है।

इस अवसर पर हनी सिंह ने पतंजलि द्वारा संचालित विविध गतिविधियों का अवलोकन कर कहा कि स्वामी जी तथा प.पूज्य आचार्य जी के दिशानिर्देशन में पतंजलि योगपीठ समाज व राष्ट्र लिए अग्रणी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगीत व गायन एक कला है जिसको आज आजीविका के मुख्य साधन के रूप में भी देखा जाता है। यह देखकर प्रसन्नता हुई कि जहाँ एक ओर पतंजलि विश्वविद्यालय में संगीत को प्रमुखता के साथ पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है वहीं पतंजलि के अन्य शिक्षण संस्थानों- पतंजलि गुरुकुलम् तथा आचार्यकुलम् में विद्यार्थियों को भी संगीत का अभ्यास कराया जाता है।

महासम्मेलन : योग से ही समाज, व्यक्ति तथा राष्ट्र का सर्वांगीण विकास सम्भव : प.पू.स्वामी जी महाराज

▪ हम सबको मिलकर योग कक्षाओं का विस्तार तहसील स्तर तक करना है।

अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)। पतंजलि परिवार द्वारा अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में राज्य स्तरीय योग एवं कार्यकर्ता महा सम्मेलन किया गया। जिसमें वर्चुअल के माध्यम से योगऋर्षि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि योग से ही समाज, व्यक्ति तथा राष्ट्र का सर्वांगीण विकास सम्भव है। लोगों को संबोधित करते हुए रामदेव ने कहा, 'योग सिर्फ जानकारी नहीं है- यह एक अभ्यास है जिसे दुनिया भर में हर किसी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। यह शाश्वत धर्म सिद्धांतों का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो हमारे पूर्वजों और ऋषियों द्वारा हमें दी गई सनातन की एक अनमोल विरासत है।' मुख्य केन्द्रीय प्रभारी, पतंजलि योगपीठ (हरिद्वार) आदरणीय श्री राकेश कुमार जी ने कहा कि हम सब को मिलकर योग कक्षाओं का विस्तार तहसील स्तर तक करना है। कार्यक्रम में राज्य प्रभारी भाई सुनील शास्त्री जी, विपिन आर्य जी, डॉ.एस.पी.सिंह, दयाशंकर आर्य जी, बहन श्रीदेवी जी, अनिल सिक्का तथा राज्य कार्यकारिणी सदस्य श्री विनोद चौधरी जी ने भाग लिया। इस अवसर पर मधु गुप्ता, माधुरी गुप्ता, ज्ञानवाती, यश लता, आदि मौजूद रहे।

▪ योग को तहसील स्तर तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।

पतंजलि गुरुकुलम्
आवासीय शिक्षण संस्थानम्

शिक्षा अभ्युदयः
संस्कारः निःश्रेयसः

Patanjali Gurukulam
A Residential Educational Institute

* सत्र 2025-2026 के लिए प्रवेश प्रारम्भ *
नर्सरी से कक्षा 5, कक्षा-6 (बालिकाओं हेतु)

परम पूज्य योगर्षि श्री स्वामी रामदेव जी महाराज एवम् आयुर्वेद शिरोमणि श्रद्धेय श्री आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के पावन सान्निध्य में सन् 2017 में स्थापित पतंजलि गुरुकुलम् वैदिक एवम् आधुनिक शिक्षा का एक अदभुत समन्वय है। पतंजलि गुरुकुलम् एक आवासीय शिक्षण संस्थान है, यहाँ प्रवेशिका (Nursery) कक्षा से बारहवीं (12th) कक्षा तक शिक्षा प्रदान की जाती है। यहाँ आधुनिक विषयों के साथ सनातन वैदिक परम्परा के परिचायक वेद, दर्शन, उपनिषद्, श्रीमद्भगवद्गीता, पञ्चोपदेश आदि के अध्ययन की सुन्दर व्यवस्था है। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस शिक्षा पद्धति में निष्णात विद्यार्थिगण भारत के पुनर्निर्माण एवम् पुनरुत्थान में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

आवश्यक तिथियाँ

दिनांक	प्रक्रिया	स्थान	समय
01-12-2024 से 31-01-2025	प्रवेश परीक्षा हेतु पंजीकरण। पंजीकरण शुल्क 1200 रुपए	-	-
01-03-2025	कक्षा V एवं कक्षा VI ऑफलाइन परीक्षा	पतंजलि योग भवन, निकट पतंजलि वेलनेस फेज-2, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	8:30 प्रातः 2:00 सायं
02-03-2025	कक्षा III एवं कक्षा IV ऑफलाइन परीक्षा		
03-03-2025	कक्षा I एवं कक्षा II ऑफलाइन परीक्षा		
04-03-2025	कक्षा नर्सरी, एल.के.जी. एवं यू.के.जी.ऑफलाइन परीक्षा		
07-03-2025	स्कूल की वेबसाइट पर परिणाम घोषित	-	9:00 सायं
08-03-2025 से 15-03-2025	शुल्क जमा (केवल चयनित अभ्यर्थियों द्वारा)	-	-
16-03-2025 से 30-03-2025	शुल्क जमा (केवल चयनित प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों द्वारा)	-	-
01-04-2025	Nursery, L.K.G, U.K.G. V & VI जिन चयनित अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क जमा किया गया है, वे विद्यालय में रिपोर्ट करें।	योगभवन	9:00 प्रातः
04-04-2025	I, II, III, IV जिन चयनित अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क जमा किया गया है, वे विद्यालय में रिपोर्ट करें।	योगभवन	9:00 प्रातः

- पंजीकरण व अन्य जानकारियों के लिए स्कूल की वेबसाइट पर जाएँ: www.patanjaligurukulam.org.in या संपर्क करें +91 8954555999
- सीधे पंजीकरण के लिए दिए गए क्यू.आर.कोड स्कैन करें
- मुख्य विशेषताएँ
- प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

कक्षा	पाठ्यक्रम
नर्सरी	*स्वयं का नाम, *माता का नाम, *पिता का नाम, *खेलते समय अवलोकन किए जाएंगे:-साझा करना और देखभाल करने का भाव-निर्देशों का पालन करना-साथियों के साथ बातचीत इत्यादि व्यवहार। *सब्जियां- हिन्दी और अंग्रेजी। *फल-हिन्दी और अंग्रेजी।
एल.के.जी.	*A-Z मुषित अक्षर। *पशु-अंग्रेजी और हिन्दी। *फूल-अंग्रेजी और हिन्दी। *रंग- हिन्दी और अंग्रेजी। *हिन्दी-स्वर- व्यंजन। *संख्या 1 से 20 तक हिन्दी और अंग्रेजी। *संख्या One to Ten तक।
यू.के.जी.	*3 अक्षर स्वर (a,e,i,o,u) शब्द और उनकी फोनिक ध्वनि। *पक्षियों की आवाज। *घरेलू और जंगली जानवर-अंग्रेजी और हिंदी। *समान ध्वनि वाले दो एवं तीन अक्षर वाले शब्द। *संख्या 1 से 50, *तालिका 1 से 5, *1 अंकों का जोड़ और घटाव। *संख्या नाम 1 से 25, *आकृतियाँ।
I	*This और That का प्रयोग, *A या An का प्रयोग, *4 अक्षर तुकांत शब्द, *पेशा (सामुदायिक सहायक)। *जलीय जानवर अंग्रेजी और हिंदी, *नंबर 1 से 100 तक। *संख्या नाम 1 से 50, *तालिका 1 से 10, *2 अंकों का जोड़ और घटाव। *समान ध्वनि वाले दो एवं तीन अक्षर वाले शब्द।
II	कक्षा I की NCERT पाठ्य पुस्तकें। हिन्दी व अंग्रेजी पठन कौशल।
III	कक्षा II की NCERT पाठ्य पुस्तकें। हिन्दी व अंग्रेजी पठन कौशल।
IV	कक्षा III की NCERT पाठ्य पुस्तकें। हिन्दी व अंग्रेजी पठन कौशल।
V	कक्षा IV की NCERT पाठ्य पुस्तकें। हिन्दी व अंग्रेजी पठन कौशल।
VI	कक्षा V की NCERT पाठ्य पुस्तकें। हिन्दी व अंग्रेजी पठन कौशल।
सभी कक्षाओं के लिए अनिवार्य- * श्रीमद्भगवद् गीता का 16वां अध्याय सम्पूर्ण। योग कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा।	

नोट : (1) कृपया सभी नवीनतम सूचनाओं के लिए वेबसाइट www.patanjaligurukulam.org.in पर जाएँ। (2) कृपया अपने बच्चे को छात्रावास परिवेश के लिए प्रशिक्षित करें, इससे बच्चे को अनुकूलता रहेगी। (3) न्यूनतम आयु के लिए मानदण्ड 31 मार्च, 2025 तक कक्षा नर्सरी के लिए 3 वर्ष, एल.के.जी. के लिए न्यूनतम 4 वर्ष, यू.के.जी. के लिए न्यूनतम 5 वर्ष और कक्षा 1 के लिए न्यूनतम 6 वर्ष (इसी तरह सभी कक्षाओं के लिए समझ लेवें) (4) नर्सरी, एल.के.जी. और यू.के.जी. के छात्राओं की माँ या परिजन (महिला) को बच्चे के साथ रहना होगा। (5) कृपया ध्यान दें कि शुल्क (पंजीकरण, प्रवेश आदि) वापिस योग्य नहीं (Non-refundable) हैं। (6) कक्षा 6 के चयनित छात्रों को पतंजलि गुरूकुलम् की किसी भी शाखा हरिद्वार या देवप्रयाग में भेजा जा सकता है।

Patanjali Gurukulam, Patanjali Yogpeeth, Haridwar, Uttarakhand - 249405
+91-8954555999 suchna@patanjaligurukulam.org.in www.patanjaligurukulam.org.in

स्वच्छता अभियान : गाँधी जयंती पर पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

हरिद्वार। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्देशित विशेष स्वच्छता अभियान ४.० कार्यक्रम के अन्तर्गत पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा आज दिनांक ०२ अक्टूबर, २०२४ को गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पंतजलि विश्वविद्यालय के माननीय प्रति-कुलपति प्रो. मयंक अग्रवाल जी, मुख्य केन्द्रीय प्रभारी पूज्य स्वामी परमार्थदेव जी, कुलानुशासक पूज्य स्वामी आर्षदेव जी, परीक्षा नियन्त्रक डॉ. ए.के. सिंह जी सहित सभी संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थित में किया गाया।

कार्यक्रम को आयोजित करने का लक्ष्य जन मानस को मन से, वचन से एवं कर्म से स्वच्छता को अपनाना और भारत को विश्व गुरु बनाने के संकल्प को सामाजिक सामर्थ्य एवं सकारात्मकता और युवा शक्ति के माध्यम से साकार करना है। इस कार्यक्रम में छात्र- छात्राओं के द्वारा स्वरचित नारों के माध्यम से जन मानस को जागरुक करने का प्रयास किया गया। स्वच्छता को अपनाना है भारत को विश्वगुरु बनाना है, आचरण में स्वच्छता लाओ, देश को खुशहाल बनाओ। सामाजिक सामर्थ्य को जगाओ, देश को स्वच्छ एवं खुशहाल बनाओ। जन जन की यही पुकार। स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त हो अपना संसार।

स्वच्छता यात्रा को दो भागों में बांट कर साध्वी देवप्रतिष्ठा जी के निर्देशन में छात्राओं ने पतंजलि योगपीठ से लेकर शांतरशाह तक के क्षेत्रों में जबकि स्वामी डॉ. परामर्थदेव जी और स्वामी आर्षदेव जी के निर्देशन में छात्रों ने पतंजलि वेलनेस तक आम जनमानस को स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वैशाली गौड़ एवं डॉ. रोमेश शर्मा द्वारा किया गया।

उपलब्धियां : पतंजलि विश्वविद्यालय को उच्च अंकों के साथ ....

....शेष पेज नं. 1 का

कहा कि पतंजलि विवि का उद्देश्य प्राचीन वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक विज्ञान का एकीकरण एवं समन्वय है, और यहाँ युवा शक्ति की जीवन शैली, विज्ञान एवं आध्यात्म के समन्वय से आप्लावित है जिससे भारत की समग्र प्राचीन ज्ञान परम्परा एवं संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन हो सके। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने अपने सम्बोधन में प्रमुखता से कहा कि चूंकि पतंजलि विश्वविद्यालय विशिष्ट उद्देश्य से गठित किया गया है अतः विश्वविद्यालय से जुड़े सभी कर्मयोगी सदस्यों को, स्वयं को, मानको के अनुरुप स्थापित करना होगा। किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति को अन्तिम नहीं मानना चाहिए बल्कि उसके संवर्धन के लिए निरन्तर प्रयास आवश्यक है।

इसी श्रंखला में, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एन. पी. सिंह, आई.ए.एस. (सेवानिवृत) ने कहा कि वैश्विक मानकों में उच्च शिक्षा संस्थानों का लक्ष्य है कि ऐसे युवा व्यक्तित्व का विकास किया जाए जो एक उत्तरादायी तथा उत्पादक शक्तियों के नागरिक के रुप से परिपूर्ण हो और राष्ट्र एवं विश्व के लिए उपयोगी हो। पतंजलि विश्वविद्यालय वैश्विक मानकों पर आदर्शतम व्यक्तित्व गढ़ने में उच्च शिक्षा संस्थान है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. श्रीनिवास वरखेडी जी ने कहा कि यद्यपि पतंजलि विश्वविद्यालय वास्तव में NAAC की A+ की अर्हता रखता है, चूंकि प्रथम मूल्यांकन में सामान्यतः थोड़ी न्यूनता रखकर ही मूल्यांकन किया जाता है, अतः पतंजलि विश्वविद्यालय को NAAC की A+ श्रेणी मिली है।

आयुर्वेद अमृत : संकल्प की शक्ति.....

....शेष पेज नं. 1 का

अभाव का नाम त्याग नहीं : युवा में ऊर्जा होती है, एक जज्बा होता है, परन्तु जब त्याग की बात आती है तो उसकी विभिन्न परिभाषाएँ हैं। जब हमारे पास कुछ कम होता है तो हमें लगता है कि हम बहुत कुछ त्याग कर सकते हैं। अभाव का नाम त्याग नहीं है। जब एक बच्चा प्रतिस्पर्धा की तैयारी करता है तो सोचता है कि मैं प्रशासनिक सेवा में जाऊँगा, मैं ज्यूडिशियरी में जाऊँगा या विभिन्न सेवाओं में जाऊँगा तो मैं देश को बदलूँगा। मैं सादगी के साथ धर्म पूर्वक अपने जीवन को आगे बढ़ाऊँगा। हमने बहुत से युवाओं को देखा है जिनमें ट्रेनिंग काल में देश को बदलने का एक जज्बा होता है किन्तु १०-१५ वर्ष बाद देखते हैं कि वो देश को तो नहीं बदल पाते किन्तु देश में व्याप्त विकृति का हिस्सा बन जाते हैं। यह किसी राजनैतिक पार्टी की बात नहीं अपितु व्यक्ति की बात है कि राजनेताओं के भी यही हाल हैं, जब तक पद नहीं है तब तक बहुत अच्छे हैं और जैसे ही पद मिल जाता है उनका व्यक्तित्व ही बदल जाता है। तो देश को कौन बचाएगा, कौन देश को आगे बढ़ाएगा। बहुत पीड़ा होती है यह सोचकर।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

आप यह माने कि भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति, उनकी ऊर्जा आपकी आत्मा के भीतर उतर चुकी है और आपको इस कर्तव्य का, इस दायित्व का निर्वहन करना है। हम सब महापुरुषों का सम्मान करते हैं, आध्यात्मिकता में आरूढ़ हैं, पूज्य संतों के प्रति भी हमारी श्रद्धा है, निष्ठा है परन्तु यह भी मन में भाव हो कि हममें से न जाने कितने पूर्व जन्म में ऋषि, संत या महापुरुष रहे होंगे। हममें उन्हीं पूर्वजों की आत्मा उतर कर आई है। उनकी परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास करो। हमें जैसा देश चाहिए हमें भी उसके अनुरूप वैसा ही बनना होगा। हम चाहते हैं कि देश में राम, कृष्ण पैदा हों परन्तु हमारे आस-पड़ोस में। हमें स्वयं राम, कृष्ण बनना होगा, उनके आचरण को जीना होगा, उनकी मर्यादा का पालन करना होगा। यदि हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा?

संकल्प में अपरिमित शक्ति है : शास्त्रों में बहुत सारी बातें सामान्य रूप में कही गई हैं। यह भी कहा गया है कि जैसा तुम अपने लिए नहीं चाहते, वैसा व्यवहार तुम दूसरों के साथ न करो। पर समाज में उल्टा ही दिख रहा है। शास्त्रों में पशु के जो लक्षण बताए गए हैं, वो ही देखने को मिल रहे हैं जैसे- बलवान से डरना और कमजोर को डराना। परम्परा ऊपर से नीचे की ओर चली आ रही है। देश, समाज व परिवार में प्रायः यही देखने को मिल रहा है। हमारी मर्यादा हमें यह नहीं सिखाती है। इसीलिए अंधेरे से मत डरो, तमस जितना भी ज्यादा क्यों न हो, अपनी अंतर्चेतना को जाग्रत करते हुए उस अंधेरे में दीपक बनकर जितना प्रकाश प्रकाशित कर सकें, अवश्य करें। इस संकल्प के साथ अपने जीवन को आगे बढ़ाएँ। संकल्प में अपरिमित शक्ति है।

स्वदेशी के जागरण का संकल्प : हम गुरुकुल में पढ़ते थे, स्वदेशी व राष्ट्रवाद का बड़ा आग्रह था। हमें कहा गया कि विदेशी वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना है। तभी से मन में भाव था कि कहीं पर भी जाएँ, अपने स्वदेशी के लिए प्रयास करेंगे। जब हम शिक्षा ग्रहण कर गुरुकुल से बाहर आए उस समय लोगों के मन में यह भाव था कि स्वदेशी वस्तुएँ अच्छी नहीं होती, विदेशी वस्तुओं के प्रति विशेष आकर्षण था। हमको यह देखकर पीड़ा होती थी कि आजादी के इतने वर्षों के पश्चात् भी देश में कोई ऐसी कम्पनी खड़ी नहीं हो सकी जो दैनंदिन उपयोग में आने वाली वस्तुओं का उत्पादन कर सके। महात्मा गांधी, विनोबा भावे से लेकर हमारे वीर, शहीद, क्रांतिकारी, महात्माओं ने अपने-अपने सामर्थ्य से स्वदेशी की पुनर्स्थापना के लिए भरसक प्रयास के बाद भी स्वदेशी का भाव क्यों लोगों के मन में जाग्रत नहीं हो सका, ये बातें हमारे मन को कचोटती थी। तब पूज्य स्वामी जी के नेतृत्व में हमने योग आयुर्वेद का आंदोलन प्रारंभ किया। ट्रस्ट की भूमि के लिए १२,५०० रुपए की आवश्यकता थी, वह भी हमारे पास नहीं थे। हमारे पास एक व्यक्ति भी ऐसा नहीं था जो इतने पैसे हमें दे सके। हमने दो व्यक्तियों से ५-५ हजार रुपए लिए और २५०० रुपए हमारे पास थे, उनको मिलाकर ट्रस्ट की स्थापना की गई।

पतंजलि बना स्वदेशी की पुनर्स्थापना का पर्याय : आज पतंजलि विविध सेवा कार्यों को विश्वव्यापी बनाकर स्वदेशी की पुनर्स्थापना के पर्याय या उदाहरण के रूप में आपके मध्य है। पतंजलि के भिन्न-भिन्न प्रकार के बहुत सारे सेवा कार्य हैं। पतंजलि के बड़े कार्यो की बात करें तो आयुर्वेद को आज एविडेंस बेस्ड मेडिसिन के रूप में स्थापित करने का जो भगीरथ प्रयास है, वह पतंजलि के माध्यम से ही हो रहा है। सरकार अपना काम कर रही है, संस्थाएँ अपना काम कर रही हैं। हम किसी से तुलना नहीं कर रहे। इसके साथ-साथ पतंजलि शिक्षा, चिकित्सा, खाद्य उत्पाद, कृषि तथा यहाँ तक की सूचना एवं प्रौद्योगिकि में भी देश को स्वदेशी से आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है। पतंजलि का स्वदेशी अभियान अब गति पकड़ चुका है।

विधि पर स्थिर रहें और निषेध की ओर प्रवृत्त न हों : यदि जीवन में आगे बढना है तो हमें अपनी भूमिका स्वयं तय करनी होगी। स्वयं पर कभी शंका मत करना क्योंकि जो स्वयं हार मान लेता है उसे कोई विजय नहीं दिला सकता। इसलिए चाहे परिस्थितियाँ विपरीत ही क्यों न हों, कभी हार मत मानना। प्रतिकूलताएँ तो आएँगी और अपना काम करेंगी, संघर्ष को आना होगा तो आएगा और हम अपना काम करेंगा।

अपनी सुसुप्त चेतना को स्वदेशी के संकल्प के साथ जाग्रत करके राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करें : यह तकनीक का युग है, सर्वप्रथम तकनीक में भी स्वदेशी खोजने का प्रयास करना चाहिए और यदि कोई विकल्प न मिले तो विदेशी उत्पाद प्रयोग कर लेना चाहिए। परन्तु शून्य तकनीक से बने उत्पादों के लिए तो स्वदेशी का संकल्प लेना ही होगा। साबुन, शैम्पू, खाने-पीने की वस्तुएँ, पानी की बोतल इनमें कौन सी तकनीक है, कौन सा रॉकेट साइंस है जो हम इन पर निर्भर हैं। इन छोटे-छोटे संकल्पों से देश का पैसा देश में रहेगा और देश उन्नति के पथ पर आरूढ़ होगा। अपनी सुसुप्त चेतना को एक संकल्प के साथ जाग्रत करके राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करें।

कथा : योगमय हुआ रामपुर खागल में योगर्षि स्वामी जी महाराज को मिला पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य का आशीर्वाद

पट्टी, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)। पट्टी तहसील के रामपुर खागल गांव में पूज्यपाद जगद्गुरु पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज की चल रही साप्ताहिक श्रीमद्भगवत कथा में नित्य प्रति देश भर की नामचीन हस्तियों के आने का क्रम जारी है। इसी कड़ी में योगर्षि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार का भी आगमन हुआ। पतंजलि योग समिति परिवार के कार्यकर्त्ताओं भाई-बहनों द्वारा स्वामी जी महाराज का भव्य स्वागत किया गया।

इसके बाद पूज्य स्वामी ने जगद्गुरु रामानंदाचार्य महाराज, स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से भेंट किए। उसके पश्चात् श्रोताओं को मंच से आशीर्वचन दिया। इस अवसर पर पतंजलि योग समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश व जिले के पदाधिकारियों ने कथा स्थल पर उपस्थित रहकर संगठन के साथियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर पतंजलि योग समिति, पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री दुर्गेश योगी जी के नेतृत्व में जिले के पतंजलि के पांचों संगठनों के जिला प्रभारियों के संयोजकत्व में संगठन के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी गोविन्द भारत स्वाभिमान ट्रस्ट जिला प्रभारी भूपेंद्र, किसान समिति प्रभारी कृष्ण कुमार, नन्दलाल, धीरज, जिला मीडिया प्रभारी अमित, भाई धर्मेन्द्र, इंद्रभान, जी. आर.ए.सिंह, प्रमोद पाण्डेय, सुरेश आदि मौजूद रहे।

■ बालक ने पूर्वजों के मन के साथ जननी जन्म-भूमि को भी धन्य किया : पू.रामचंद्रदास जी महाराज

भेटवार्ता मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल जी का संत कुटीर में हुआ आगमन

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार आगमन पर संस्थापक, विश्व विख्यात योगगुरु परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज से मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल जी ने संत कुटीर में शिष्टाचार भेंट की। संत कुटीर पहुंचने पर परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने उपमुख्यमंत्री महोदय का भव्य स्वागत किया। भेंट के दौरान प.पूज्य स्वामी जी महाराज एवं उपमुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में योग, आयुर्वेद, वैदिक शिक्षा गो संवर्द्धन एवं स्वास्थ्य लाभ हेतु मध्य प्रदेश की उन्नति को लेकर अनेक विषयों पर चर्चा की। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने प.पूज्य स्वामी जी महाराज के योग एवं आयुर्वेद को लेकर भूरी भूरी प्रशंशा की और भविष्य में भी पतंजलि ऐसे ही देश को योग एवं आयुर्वेद का लाभ पहुंचते रहे है ऐसी कामना की।

» समृद्ध ग्राम में 'मुख्य योग शिक्षक शिविर' का समापन

■ योग, आयुर्वेद, स्वदेशी के प्रति समाज में व्याप्त भ्रान्तियों को समाप्त कर पूरे विश्व को योगमय बनाना ही हमारा लक्ष्य : परम पूज्य स्वामी जी महाराज

हरिद्वार। योग, आयुर्वेद व स्वदेशी के आंदोलन को विश्वव्यापी बनाने के उद्देश्य से पतंजलि योगपीठ के तत्वाधान में समृद्ध ग्राम में 'मुख्य योग शिक्षक' शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पतंजलि योग समिति के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव जी के दिशानिर्देशन में शिविर का समापन हुआ जिसमें मध्य प्रदेश पूर्व-पश्चिम, महाराष्ट्र पूर्व-पश्चिम, मुम्बई तथा गोवा के लगभग ५०० सह-योग शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। उक्त सभी शिविरार्थी जिला व प्रांत स्तर पर १००-१०० घण्टे का सह-योग शिक्षक का प्रशिक्षण प्राप्त कर यहाँ पधारे थे।

शिविर में सभी शिविरार्थियों ने प.पूज्य स्वामी जी महाराज तथा प.पूज्य आचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज के दिशानिर्देशन में विशेष सत्र आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य योग, आयुर्वेद, स्वदेशी के प्रति समाज में व्याप्त भ्रान्तियों को समाप्त कर पूरे विश्व को योगमय बनाना है।

स्वामी परमार्थदेव जी ने कहा कि परम पूज्य स्वामी जी महाराज के संकल्प की सिद्धि के लिए पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान, युवा भारत, पतंजलि किसान सेवा समिति, सोशल मीडिया तथा हाम्रो स्वाभिमान के सभी कार्यकर्तागण दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने बताया कि यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त कर उक्त योग शिक्षक अपने-अपने जिला व प्रांत में जाकर निःशुल्क योग का प्रशिक्षण देंगे तथा साथ ही आयुर्वेद, स्वदेशी व स्वदेशी शिक्षा तथा राष्ट्रवाद का संचार करेंगे। उन्होंने बताया कि पतंजलि के तत्वावधान में संचालित इन शिविरों के माध्यम से शिविरार्थियों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ एविडेंस बेस्ड आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म, प्राकृतिक चिकित्सा, घरेलु उपचार, यज्ञ चिकित्सा, आहार चिकित्सा में भी पारंगत किया जा रहा है। शिविर में समय-समय अनेक विविध विषयों पर विद्वानों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस शिविर में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री एन.पी. सिंह, महिला पतंजलि योग समिति की महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी डॉ. साध्वी देवप्रिया, मुख्य केन्द्रीय प्रभारी श्री राकेश कुमार, युवा केन्द्रीय प्रभारी स्वामी आदित्यदेव व स्वामी ऋतदेव आदि ने शिविरार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

योग महासम्मेलन : योग को अपनाना है, भारत को सशक्त बनाना है।

■ विदेशी शिक्षा से आर्थिक व वैचारिक गुलामी से निकालने का कार्य योग कर रही है।

मुंगेर (बिहार)। भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति ने किया योग महासम्मेलन का आयोजन जिसमें योगऋर्षि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि योग आज के लोगों की जरूरत है, जीवन मोबाइल से नहीं योग से बनेगा, आत्मनिर्भर, आत्मा उत्थान योग से संभव है, योग से हमें स्वस्थ बिहार, संगठित बिहार और समृद्ध बिहार व सशक्त भारत बनाना है। वे नगर के आरएसके उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित योग महासम्मेलन को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योग साधकों को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि लाखों लोग की रोजी रोटी पतंजलि योगपीठ से हो रही है। विदेशी शिक्षा व आर्थिक गुलामी व वैचारिक गुलामी से निकालने का कार्य योगपीठ कर रही है। पुरुषार्थ के लिए क्रांति का अलख जगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि २१वीं सदी योग की सदी होगी। उन्होंने अपील किया कि हमें योग करना है और कराना है व स्वदेशी अपनाना है, आर्थिक गुलामी से बचाना है और भारत को सशक्त बनाना है। हमें योग धर्म व ऋषि धर्म को अपनाना है। मुख्य केंद्रीय प्रभारी, पतंजलि योगपीठ, श्री राकेश कुमार जी ने कहा कि दो लाख गांवों में योग का अलख जगायी जा रहा है। लगभग ५०% बौद्धिक सृजनात्मक कार्य केवल बिहार में ही होते हैं। अमेरिका के अंदर योग पर १ लाख २० हजार करोड़ खर्च किया जा रहा है। मुस्लिम देश अरब में योग दर्शन के पन्ने पलट रहे हैं, पूज्य शिवानन्द स्वामी जी ने जो सपना देखा वह अब पूरा होने वाला है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना है और विदेशी कम्पनी का बहिष्कार करना है। इससे पूर्व भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति द्वारा योग कक्षा विस्तार के लिए आयोजित योग महासम्मेलन का उद्घाटन पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी श्री राकेश कुमार जी, मुख्य पार्षद प्रभु शंकर, पार्षद दीपक कुमार, लोकेश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संजीव कुमार एवं राजीव चौरसिया ने संयुक्त रूप से किया।

PATANJALI | पतंजलि फूड्स ने किया 400% अंतरिम डिविडेंड का ऐलान

PATANJALI FOODS LIMITED (Formerly known as Ruchi Soya Industries Limited)

नई दिल्ली। परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज की एफएमसीजी कम्पनी पतंजलि फूड्स ने बाजार बंद होने के बाद सितम्बर तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं, साथ ही कम्पनी ने दिवाली से पहले निवेशकों को ४०० फीसदी डिविडेंड की भी सौगात दी है। तिमाही में कम्पनी के मुनाफे में २१.४ फीसदी का उछाल दर्ज किया हैं। इसके अलावा रेवेन्यू में ४.२ फीसदी की बढ़ोतरी की है। साथ ही कामकाजी मुनाफे में सालाना आधार पर १३.८ फीसदी बढ़ोतरी आई है।

पतंजलि फूड्स की रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक वित्त वर्ष २०२५ की दूसरी तिमाही ने दो रुपये प्रति शेयर फेसवैल्यू वाले शेयर पर आठ रुपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड (४०० फीसदी) का ऐलान किया है। अंतरिम डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट चार नवम्बर २०२४ है। इस डिविडेंड का भुगतान २३ नवम्बर २०२४ से किया जायेगा। पतंजलि फूड्स ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में २५४.५ करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। इसके अलावा ग्रॉस प्रॉफिट सालाना आधार पर १०२१.२६ करोड़ रुपये से बढ़कर १२६२.८१ करोड़ रुपये हो गया है।

जब तक दम में दम है, व्यक्ति को बेदम नहीं होना चाहिए। दृढ़ता व परिवत्रता के साथ ध्येय की ओर आगे बढ़ते रहना चाहिए, आपको एक दिन सफलता अवश्य मिलेगा –*योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज*

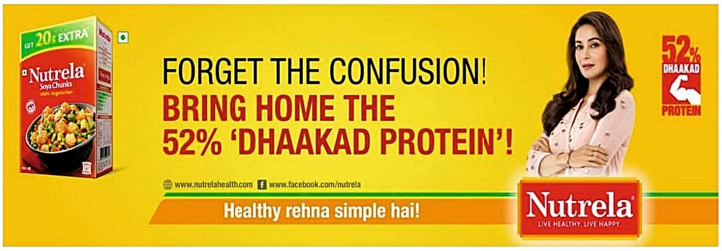

पतंजलि योगपीठ में शारदीय नवसस्येष्टि एवं दीपोत्सव मनाया गया

■ प्रकाश पर्व पर नशा, व्यसन से दूर रहकर राष्ट्रसेवा में समर्पित होने का संकल्प लें।

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ फेस २ स्थित वृहद ऑडिटोरियम में प.पूज्य स्वामी जी महाराज एवं प.पूज्य आचार्य जी महाराज के द्वारा यज्ञ कर शारदीय नवसस्येष्टि एवं दीपावली महोत्सव मनाया गया। प्रकाश पर्व पर उन्होंने सभी देशवासियों के लिए उत्तम स्वास्थ्य व समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज ने सभी देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परमात्मा सबके जीवन में सुख, समृद्धि व मंगल का आधान करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि प्रकाश पर्व पर नशा, व्यसन से दूर रहकर राष्ट्रसेवा में समर्पित होने का संकल्प लें। परम पूज्य आचार्य जी महाराज ने कहा दीपावली प्रकाश, उन्नति व मंगल का पर्व है। योग आयुर्वेद को अपनाकर अपने दुख, व्याधि, रोग, शोक से मुक्त हो निरोगी काया व स्वस्थ जीवन प्राप्त करें। दीप पर्व पर पूरा पतंजलि परिसर दीपमालाओं से जगमगा गया।

वार्षिकोत्सव : हम छात्रों में वह सामर्थ्य गढ़ना चाहते हैं कि विश्व का नेतृत्व कर सकें : स्वामी जी महाराज

■ एजूकेशन फार लीडरशिप के वैचारिक अधिष्ठान संग सम्पन्न हुआ गुरुकुलम् का वार्षिकोत्सव

हरिद्वार। पतंजलि गुरुकुलम् का वार्षिकोत्सव पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि पतंजलि गुरुकुलम के वार्षिकोत्सव पर हमने उसका वैचारिक अधिष्ठान 'एजूकेशन फॉर लीडरशिप' रखा है। उन्होंने कहा कि जीवन में दो बातें महत्वपूर्ण हैं, एक हमारा वैचारिक अधिष्ठान और दूसरा उस विचार, संस्कार व स्वाभिमान को जीना। इस वार्षिकोत्सव की थीम अत्यंत गौरवपूर्ण व भारतीय संस्कृति की पोषक है।

परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि हम पतंजलि गुरुकुलम् में विद्यार्थियों को आधुनिक विषयों के साथ-साथ वेद, दर्शन, व्याकरण आदि में निष्णात कर रहे हैं। हम अपने विद्यार्थियों में वह सामर्थ्य गढ़ना चाहते हैं जिससे वे विभिन्न क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व कर सकें। उन्होंने कहा कि हम देश के लाखों-करोड़ों भाई-बहनों का अभिनन्दन करते हैं अपने बच्चों को पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय तथा भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से गढ़ना चाहते हैं। हम अपने विद्यार्थियों के भीतर उत्तम व्यक्तित्व, नेतृत्व व चरित्र विकसित कर अपने कुलवंश व भारतवर्ष को गौरव बढ़ाने वाले बनाना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में वह सामर्थ्य गढ़ना है जो राजा कृष्णदेव राय में उनके गुरु विद्यारण्य स्वामी जी ने गढ़ा था।

> ■जीवन में दो बातें महत्वपूर्ण हैं, एक हमारा वैचारिक अधिष्ठान और दूसरा उस विचार, संस्कार व स्वाभिमान को जीना।

इस अवसर पर पतंजलि गुरुकुलम् के विद्यार्थियों ने देश के आध्यात्मिक व राष्ट्रवादी महापुरुषों मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, बिरसा मुण्डा, रानी लक्ष्मीबाई, रानी वेलू नचियार, श्री राम आदि के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कर पूरा वातावरण अध्यात्मवाद व राष्ट्रवाद से ओतप्रोत कर दिया।

कार्यक्रम में माता गुलाब देवी, श्री एन.पी. सिंह, बहन ऋतम्भरा शास्त्री, साध्वी देवमयी, स्वामी ईशदेव, साध्वी देववरण्या तथा पतंजलि गुरुकुलम् से सम्बद्ध सभी संन्यासीगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण शिविर : 5 दिवसीय महिला योग शिक्षक शिविर का समापन

■ जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं : प.पूज्य स्वामी जी महाराज

■ हमें योग से विमुख नहीं होना चाहिए : प.पूज्य आचार्य जी महाराज

■ राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका है : साध्वी आचार्या देवप्रिया

हरिद्वार। पूरे विश्व में योग की अलख जगाने हेतु समृद्ध ग्राम, पदार्था में संचालित मुख्य योग शिक्षक शिविरों की श्रृंखला में पतंजलि महिला योग समिति के तत्वाधान में ५ दिवसीय शिविर का समापन हुआ।

शिविर में पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। उन्होंने बताया कि पतंजलि ने समाज में लिंगभेद समाप्त कर महिलाओं को भी सम्मान दिया है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण की भूमिका में अहम बताया। प.पू.आचार्य जी महाराज ने शिविर में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में महिला शिविरार्थियों को विभिन्न रोगों से बचाव के लिए घरेलु नुस्खों तथा औषधियों की जानकारी देते हुए कहा कि योग जीवन में वर्तमान रखने की प्रक्रिया है, अतः हमें योग से विमुख नहीं होना चाहिए।

महिला शिविर का संचालन महिला पतंजलि योग समिति की मुख्य केन्द्रीय प्रभारी पूज्या साध्वी आचार्या देवप्रिया जी ने किया। जिसमें जिला व प्रांत स्तर पर १००-१०० घण्टे का सह-योग शिक्षक का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, गोवा से लगभग ५०० महिलाओं प्रशिक्षुओं ने शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर पूज्या दीदी जी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका है। राष्ट्र को उन्नत बनाने के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने बताया कि समृद्ध ग्राम में शिविरार्थियों को योग के साथ-साथ विभिन्न विषयों के विद्वानों के द्वारा एविडेंस बेस्ड आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म, प्राकृतिक चिकित्सा, घरेलु उपचार, यज्ञ चिकित्सा, आहार चिकित्सा में भी निपुण किया गया है। यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त कर योग शिक्षक अपने-अपने जिले व प्रांत में जाकर निःशुल्क योग का प्रशिक्षण देंगे। जिससे पूरे राष्ट्र में स्वदेशी, आयुर्वेद एवं योग का प्रसार-प्रचार होगा। उन्होंने बताया कि एक समृद्ध समाज की स्थापना में महिलाओं का भी विशेष योगदान रहता है। चाहे वह देश हो या एक परिवार। शिविर समापन में योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज, परम पूज्य आचार्य जी महाराज ने सभी महिला योग शिक्षकों को अपने आशीर्वचन देकर कृतार्थ किया।

» तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आयुर्धन 2024' का समापन

■ आयुर्वेद में अस्थमा, गठिया, मधुमेह, कैंसर जैसी कई पुरानी असाध्य बीमारियों का उपचार करने की अद्भुत क्षमता : पूज्य स्वामी जी महाराज

हरिद्वार। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन और पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोग तथा भारत सरकार के आयुष मंत्रलय द्वारा आयुस्वास्थ्य योजना के अंतर्गत **'आयुर्धन २०२४ : स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के सामंजस्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'** विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं धन्वंतरि वंदना से किया गया। सम्मेलन में प.पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि आयुर्वेद में अस्थमा, गठिया, मधुमेह, कैंसर जैसी कई पुरानी असाध्य बीमारियों का उपचार करने की अद्भुत क्षमता है जिनका आधुनिक चिकित्सा प्रणाली में उपचार संभव नहीं है।

कार्यक्रम में प.पूज्य आचार्य जी महाराज ने कहा कि हमारे ऋषियों ने हमें विभिन्न पर्वों का संयोजन प्रदान करके स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद प्रौद्योगिकी के प्रति अग्रसर किया है। भारतीय चिकित्सा ग्रंथों में भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता माना गया है। वह समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश के साथ ही औषधि पुस्तक लेकर आए थे जिसमें सभी प्रकार के रोग-व्याधियों के उपचार का वर्णन है। आचार्य जी ने आयुर्वेद के विस्तार एवं उन्नति की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में लूट के षड्यंत्र का समाधान आयुर्वेद के रूप में पतंजलि ने खोजा है।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि उत्तराखंड आयुर्वेद वि.विद्यालय, देहरादून के कुलपति प्रो. (डॉ.) अरुण ने आयुर्वेद में गुणवत्तापूर्ण शोध एवं विशिष्ट कार्यों के उन्नयन में आधुनिक तकनीकी एवं अनुभवी शोधकर्ताओं की आवश्यकता पर बल देते हुए नवाचार के निर्माण की बात कही। अथ आयुर्वेद, गुरुग्राम के वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने मधुमेह नियंत्रण एवं मुक्ति संबंधित आयुर्वेदिक विवेचना की व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्राचीन ज्ञान को आधुनिक ज्ञान से जोड़कर ही सम्पूर्ण कल्याण संभव है।

आयुष मंत्रालय, उड़ीसा सरकार में अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) गोपाल सी. नंदा ने 'वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुर्वेद का योगदान एवं सतत विकास के लक्ष्य' विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अभी आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध तथा होम्योपैथी के अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए अवसर तलाशने हैं। टीडीयू बेंगलुरु के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) दर्शन शंकर ने ऑनलाइन प्रस्तुति के माध्यम से भारत के नोबल पुरस्कार पाने की दिशा में आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा की अंतर्दृष्टि और एकीकृत शोध-समाधान पर महत्त्वपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय यूरोपियन संगठन के डिजास्टर मेडिसिन ग्रुप के अध्यक्ष प्रो. रॉबर्टो मुगावेरो, (डॉ.) गोपाल सी. नंदा, प्रो. सत्येन्द्र राजपूत, प्रो. पार्थ रॉय और नेपाल से आये विशिष्ट अतिथि बाबू काजी ने जीवन में आयुर्वेद के विविध पहलुओं को साझा किया। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार के उपाध्यक्ष डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद के विस्तार एवं विकास के महत्त्वपूर्ण विषय पर विचार प्रस्तुत किया।

साउथ टेक्सास सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन कैंसर रिसर्च के संस्थापक निदेशक, प्रो. सुभाष सी. चौहान, एस. व्यास सम विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. वासुदेव वैद्य, शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश की प्रो. पूनम नेगी, केंद्रीय विश्वविद्यालय एचएनबी गढ़वाल से औषधि विज्ञान के प्रो. अजय नामदेव आदि ने आयुर्वेद से नवीन नवाचारों की यात्रा में अपार संभावनाएँ, प्राचीन एवं आधुनिक चिकित्सा में संयोजन और चिकित्सीय लाभों पर प्रकाश डाला। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के डॉ. भूपेंद्र सिंह, ट्रांस डिसिप्लिनरी स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु की अनुशासनिक प्रो. (डॉ.) अश्विनी गोडबोले, अमेटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी, हरियाणा गुड़गाँव के प्रो. अतुल ठाकुर, डोईवाला, देहरादून स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार भारद्वाज, ऋषिकुल परिसर, हरिद्वार की प्रो. रूबी रानी अग्रवाल, पतंजलि रिसर्च अनुसंधान के वैज्ञानिक डॉ. अनुपम श्रीवास्तव आदि ने आयुर्वेद के विविध पहलुओं पर ज्ञान साझा किया। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शोधार्थियों, विद्वानों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

आगन्तुक अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुए पतंजलि हर्बल रिसर्च डिविजन की विभागाध्यक्ष डॉ. वेदप्रिया आर्या ने आयुर्वेद की वैश्विक मान्यता एवं स्वीकृति के लिए साक्ष्य आधारित शोध पर बल दिया। आयुर्वेद कॉलेज, हरिद्वार के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि ऐसी संगोष्ठियाँ नवीन दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। उन्होंने देश-विदेश से पधारे समस्त विद्वानों, वैद्यों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों एवं आयुर्वेद के सुधीजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की मुख्य झलकियाँ

▶ उडुपी (कर्नाटक) श्री कृष्णमठ में आयोजित 51वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन में श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी द्वारा प.पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज 'योगीन्द्र सम्राट' एवं प.पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज को 'आयुर्वेद विद्या विभूति' एवं डॉ. साध्वी देवप्रिया जी (विभागाध्यक्षा दर्शन विभाग एवं संकायाध्यक्षा मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकाय) को भारतीय 'विद्या विशारदा' उपाधि से सम्मानित किया गया ।

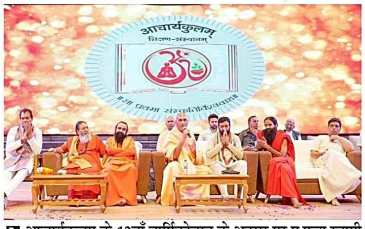

▶ आचार्यकुलम् के 12वाँ वार्षिकोत्सव के अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज व प.पूज्य आचार्य जी महाराज, हरियाणा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी, पू.स्वामी अवधेशानंद जी, स्वामी रवीन्द्र पुरी जी, स्वामी हरिचेतनानंद जी एवं छात्र-छात्रा उपस्थित रहे ।

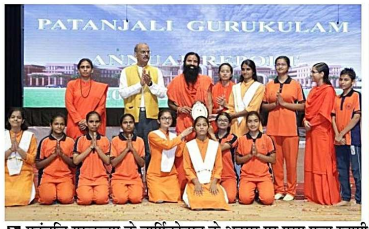

▶ पतंजलि गुरुकुलम् के वार्षिकोत्सव के अवसर पर परम पूज्य स्वामी जी महाराज व परम पूज्य आचार्य जी महाराज भाई-बहनों को आशीर्वाद दिया।

▶ दिव्य योग मंदिर, कनखल में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज, आयुर्वेद शिरोमणि प.पू.आचार्य जी महाराज द्वारा संन्यासी एवं ब्रह्मचारियों को पर्यावरण शुद्धिकरण व विश्व शांति वैदिक यज्ञ उपरान्त आशीर्वाद ।

▶ पतंजलि योगपीठ में शारदीय नवसस्येष्टि एवं दीपावली महोत्सव के पावन अवसर पर प.पूज्य स्वामी जी महाराज, आयुर्वेद शिरोमणि प.पू.आचार्य जी महाराज द्वारा संन्यासी, ब्रह्मचारी एवं छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण एवं विश्व शांति हेतु वैदिक यज्ञ करके आशीर्वाद दिया ।

▶ पतंजलि विश्वविद्यालय को NAAC टीम द्वारा A+ मिलने पर प.पू. स्वामी जी महाराज व प.पू.आचार्य जी महाराज द्वारा शुभकामनायें दी।

▶ मशहूर रैपर, संगीत निर्माता व पंजाबी पॉप सिंगर हनी सिंह का पतंजलि योगपीठ हुआ आगमन।

▶ जयपुर, राजस्थान, अपेक्स विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में महामहीम राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी, प.पूज्य आचार्य जी महाराज, प्रो. सोमदेव सुधांशु जी (कुलपति, अपेक्स विवि) द्वारा छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया ।

▶ आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयुर्वेद स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत 'आयुर्धन 2024' में प.पू.स्वामी जी महाराज, प.पू. आचार्य जी महाराज एवं उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति प्रो.अरुण, अथ आयुर्वेद, गुरुग्राम के वरिष्ठ सलाहकार, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा ।

▶ पतंजलि विश्वविद्यालय में परम पूज्य स्वामी जी महाराज द्वारा योगाभ्यास एवं छात्र-छात्राओं को दीपावली की शुभकामनायें एवं आशीर्वाद दिया।

▶ नवरात्रि के पावन अवसर पर वैदिक अनुष्ठान, विश्व शांति एवं पर्यावरण शुद्धि हेतु गायत्री महायज्ञ ।

■ दक्षिण कोरिया से आये विदेशी प्रतिनिधि मंडल को परम पूज्य स्वामी जी महाराज द्वारा योगाभ्यास एवं आशीर्वाद दिया ।

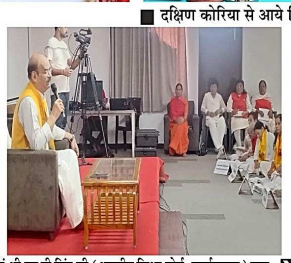

▶ समृद्ध ग्राम (पदार्था) हरिद्वार में प.पूज्य स्वामी जी महाराज के सान्निध्य में पूज्या साध्वी देवप्रिया जी (महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी) एवं श्री एन.पी.सिंह जी (भारतीय शिक्षा बोर्ड, कार्यवाहक) द्वारा गोवा, मुंबई, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, ओडिशा, मेघालय से आये 'मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर' योगशिक्षकों को योग कक्षा के विस्तार हेतु मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद दिया ।

▶ समृद्ध ग्राम (पदार्था) में 'मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर' में प.पू.स्वामी जी महाराज द्वारा मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद एवं आदरणीय श्री राकेश कुमार जी, स्वामी परमार्थदेव जी (मुख्य केन्द्रीय प्रभारी) योग कक्षा एवं संगठन विस्तार हेतु कार्यकर्ता बैठक।

▶ रांची (झारखंड) में 'लोकतंत्र के महापर्व पर राष्ट्रहित में मतदान महोत्सव द्वारा 100% हेतु श्री शिवराज सिंह चौहान (केन्द्रीय मंत्री) आदरणीय श्री राकेश कुमार जी (मुख्य केंद्रीय प्रभारी), स्वामी दिव्यदेव, श्री रामजीवन जी, बहन सुधा जी, श्री करम कोयरी जी, श्री रासबिहारी जी, श्री अमित कुमार जी द्वारा कार्यकर्ता बैठक ।

▶ मुंगेर (बिहार) में आदरणीय श्री राकेश कुमार जी (मुख्य केन्द्रीय प्रभारी) द्वारा कार्यकर्ता महा सम्मेलन बैठक ।

स्वामी, सम्पादन, प्रकाशक व मुद्रक राकेश द्वारा ऋषि ऑफसैट प्रिन्टर्स, वेद मंदिर, अशोक टॉकीज के सामने, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से छपवाकर 101, विद्या विहार कॉलोनी, कनखल, हरिद्वार-249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।